चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........The Tribune........

दिनांक 28.10.2020....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

FARM SKILLS EMPOWERMENT PROGRAMME

Hisar: Haryana students will now be able to attend online education classes of Western Sydney University, Australia. An online Agricultural Skills Empowerment Programme was started today under the National Agricultural Higher Educational Project, which was inaugurated by Deputy Vice-Chancellor and vice president (research, enterprise and international) of Western Sydney University, Prof Deborah Sweeney. Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Prof Samar Singh was specially invited to this event. He said it was not viable to attend physical classes in Australia amid Covid pandemic so the Western Sydney University had launched online agricultural skills empowerment programme. Under this programme, the students will be able to get education through online mode on the pattern of foreign countries. Once the Covid-19 pandemic subsides, the students will be able to attend classes physically at Western Sydney University

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या......4......कॉलम......3-4......

सौर ऊर्जा से जगमग होगा सीसीएचएयू

एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगेगा

हिसार, 27 अक्तूबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) सौर ऊर्जा से बिजली आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच पावर पर्चेज एग्रीमेंट हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को 3.33 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली मिलेगी। सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय हर साल 13.70 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा। इससे उन्हें सस्ती बिजली मिलेगी। इससे जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट महंगा है। अगले 6 महीने में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना हो जाएगी। कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विवि के सभी भवनों की छत्तों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......3-6......

परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम इसलिए अपनाएं फसल चक्रः प्रो. समर सिंह

एचएयू में वर्कशॉप आयोजित, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एच ए यू की वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए विचार रखे।

कृषि संबंधी किसी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ पर्यावरण का संरक्षण मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है।

इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे एचएयू में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। विवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने वर्कशॉप की जानकारी देते हुए निदेशालय की तरफ से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है।

इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया मौजूद थे।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...... अमर उजाला ......

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 3-5

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायन के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कृषि अधिकारियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि

कार्यशाला में मौजूद कुलपति समर सिंह व अन्य।

वैज्ञानिक किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। परंपरागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं।

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही कारगर, किसान अपनाएं : अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परंपरागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। विश्वविद्यालय द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसान इन्हें अवश्य अपनाए। अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन विवि द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पंजाब केसरी ....

दिनांक 28.10.2020 .... पृष्ठ संख्या ..... 2 ..... कॉलम ..... 3-7 .....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

हिसार, 27 अक्तूबर (ब्यूरो): कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व भूजल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं और भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा।

यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। वहीं इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, हरि भूमि

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या 3, 4 कॉलम 5, 5

विज्ञान और कृषि अधिकारी सिफारिशों पर कर रहे मंथन

जागरण संवाददता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विज्ञानियों, कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप आयोजित हुई। फसलों की नई सिफारिशों पर मंथन हुआ। किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद रहे।

एसीएस देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में विज्ञानियों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वह किसानों को परंपरागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों की जानकारी दें। विज्ञानियों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान विज्ञानियों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........एच आर ब्रेकिंग........

दिनांक 28-10-2020 पृष्ठ संख्या.................कॉलम.................

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया।

वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है।

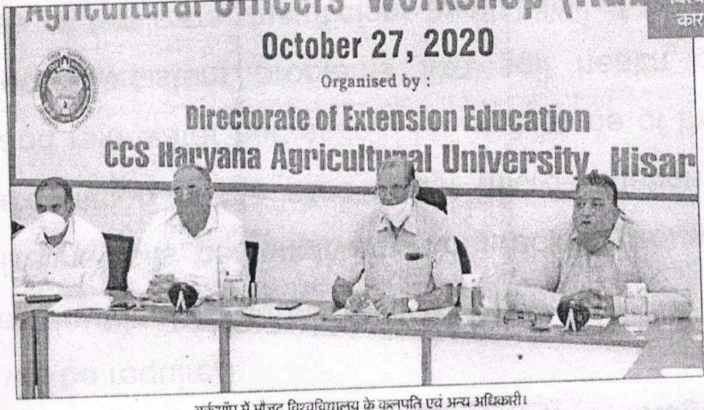

वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव : *विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी, फील्ड अधिकारी ऑनलाइन व आफलाइन रूप से शामिल हुए।*

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही कारगर, किसान अपनाएं : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ-छोर........

दिनांक 27..10..2020...पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे: कुलपति

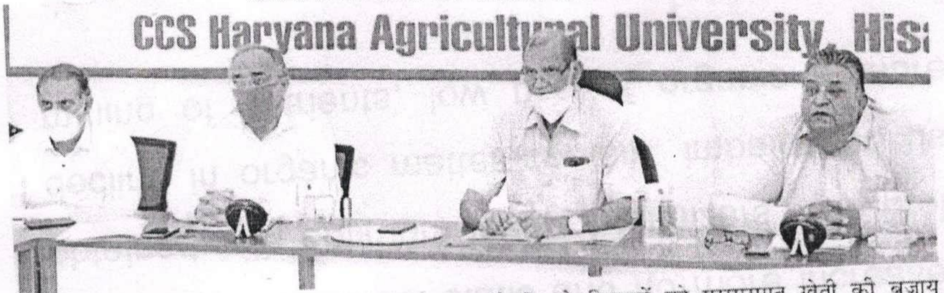

हिसार/27 अक्टूबर/रिपोर्टर

कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकाकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी, फील्ड अधिकारी ऑनलाइन व आफलाइन रूप से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पांच बजे....

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

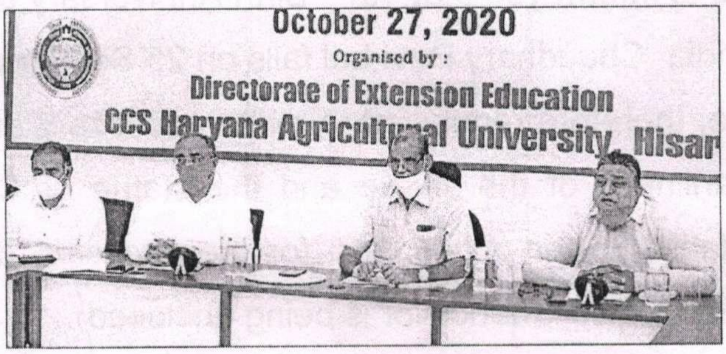

पांच बजे न्यूज़

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है।

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही कारगर, किसान अपनाएं : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकाकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी, फील्ड अधिकारी ऑनलाइन व आफलाइन रूप से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम समस्त हरियाणा

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं।

विवि की सिफारिशें बहुत ही कारगर : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी।

कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नित्य शक्ति सर्विस......

दिनांक ...27.10.2020... पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

हिसार : कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई

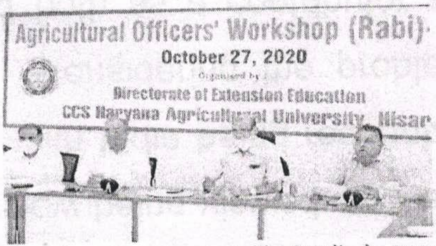

सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों की भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है।

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकाकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दै. लो. हिसार........

दिनांक 28.10.2020 ....पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

हिसार : कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......एच आर ब्रेकिंग......

दिनांक 28.10.2020......पृष्ठ संख्या......कॉलम......

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया।

वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है।

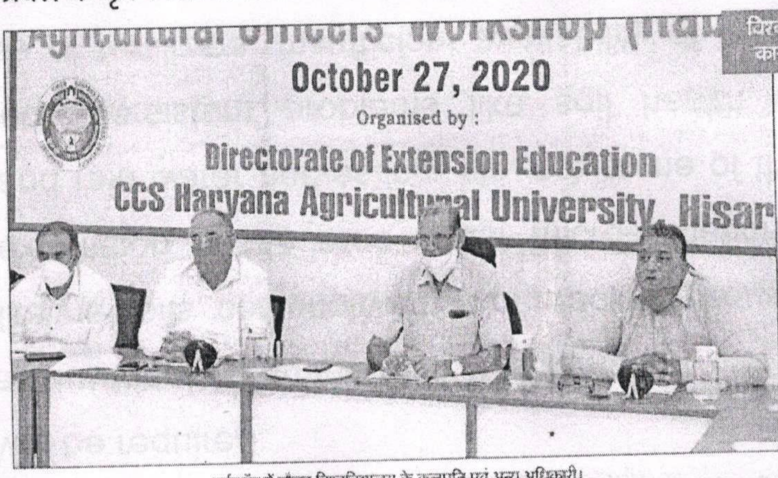

वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव : *विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी, फील्ड अधिकारी ऑनलाइन व आफलाइन रूप से शामिल हुए।*

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही कारगर, किसान अपनाएं : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सच कहूँ........

दिनांक ....28/10/2020....पृष्ठ संख्या....................कॉलम....................

मंथन। एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप आयोजित

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी: प्रो. समर सिंह

फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

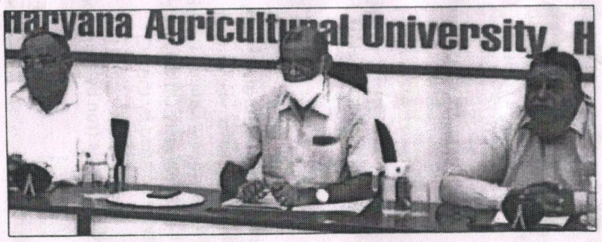

हिसार(सच कहूँ न्यूज)।

कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

किसानों को मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए करें जागरूक

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं।

आज फसलों का बढ़ा उत्पादन

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर क्रांति......

दिनांक ..28/11/2020.....पृष्ठ संख्या..................कॉलम..................

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

हिसार : कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक ..28-10-2020.. पृष्ठ संख्या.....2..... कॉलम.....1-4.....

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचएयू के गृह विज्ञान कॉलेज में हुई क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता, खुशबू ने बनाया सबसे क्रिएटिव मास्क

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें।

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को मास्क के प्रति किया जागरूकः प्रो. किरण

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है तो ऐसे

में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमन्ना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छुपे हुनर को निखार सकें। वहीं इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी, अमर उजाला....

दिनांक ..28.10.2020.. पृष्ठ संख्या ....4, 4.... कॉलम ....1-3, 1-2....

क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 27 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू मेहता ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में किया गया। संयोजक प्रो. किरण सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सैकेंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आई.डी. पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मैरिट सर्टीफिकेट, जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टीफिकेट दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता की विजेता प्रतिभागी।

मास्क बनाने में खुशबू प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सच कहूँ........

दिनांक 28/11/2020.......पृष्ठ संख्या.......................कॉलम.......................

विद्यार्थियों ने मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश

- खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क
- एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार(सच कहूँ न्यूज)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढंडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढंडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......हिसार टुडे......

दिनांक 28.10.2020......पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस

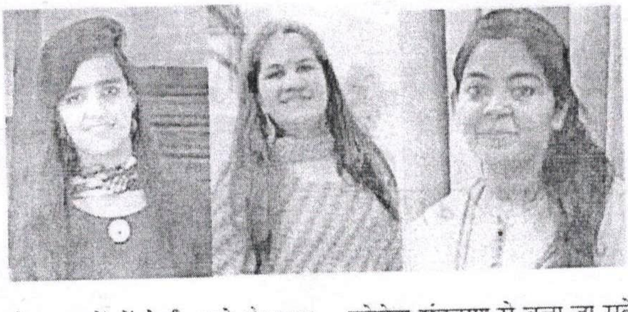

के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पांच बजे........

दिनांक 28.10.2020 ....पृष्ठ संख्या .... — ....कॉलम .... — ....

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज़ व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नभ छोर......

दिनांक ...27.10.2020.... पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता में खुशबू, अंशिता व मनदीप रही विजेता

हिसार/27 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामले में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व

सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकेंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफिकेट व प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हिसार टुडे......

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए मास्क व विजेताओं के फाइल फोटो।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......एच आर ब्रेकिंग......

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

खुशबू अंशिता मंदीप

प्रतियोगिता के दौरान विजेताओं के फाइल फोटो।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न व्हटशप गुरप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक शेयर किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

हरियाणा कृषि विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजु मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

खुशबू अंशिता मंदीप

हिसार। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए मास्क व विजेताओं के फाइल फोटो।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न व्हटशप ग्रुप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक शेयर किया गया था।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक: किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमन्ना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छुपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अजीत समाचार....

दिनांक ..28.10.2020.. पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

* खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क * एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 27 अक्तूबर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजु मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

हिसार : प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए मास्क व विजेताओं की फोटो। (छाया : राज पराशर)

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमन्ना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छुपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सैकेंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सैकेंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न व्हटशप ग्रुप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक शेयर किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हैलो हिसार......

दिनांक ..27.10.2020.... पृष्ठ संख्या ....—....... कॉलम ....—.......

मास्क बनाकर दिया संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......समस्त हरियाणा......

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर मास्क

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

खुशबू अंशिता मंदीप

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रो. किरण

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सैंकेड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न व्हटशप ग्रुप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक शेयर किया गया था।